OK

अचल अधिकारी का कार्यालय, धनबाद।

संदिग्ध/अवैध जमाबंदी रद्द अभिलेख स0 58 / 19-20

बिहार (झारखंड) भूमि सुधार अधि0 1950 की धारा 4(h के तहत जाँच एंव कारवाई से संबधित।

दिनांक	आदेश फलक	अभियुक्ति
23.3.19	झारखंड सरकार के ज्ञापक–2074/रा0 दिनांक–13.05.2016 सहपठित–श्री अनुज मुखर्जी निर्देशक, भू–अर्जन–सह–विशेष सचिव राजस्व एव भूमि सुधार विभाग का पत्र सख्या–3–खा0 म0 निति–119/85/2308/रा0 दिनांक 03.09.1985 एव सह–पठित राजस्व विभागीय, परिपत्र सख्या–914/रा0 दिनांक 09.12.1998 मे निहित निर्देश के अनुपालन में गैरमजरूआ खास भूमि की कायम की गयी जमाबंदियो की जाँच प्रारंभ की गयी। जांच के क्रम मे हल्का राजस्व उपनिरिक्षक (राजस्व कर्मचारी) के द्वारा प्रतिवेदित किया गया विवरणी निम्नवत है–	
	मौजा– कोला कोयला मौजा न0– 12 खाता न0 142 प्लॉट न0 3376 रकवा 5 कट्ठा की भूमि जो गैरमजरूआ खास, अनाबाद बिहार(झारखंड) सरकार के खाते की सरकारी भूमि है जिसकी जमाबंदी उस मौजा के पंजी–।। के जिल्द संख्या 18 के पृष्ठ सख्या 3408 पर जमाबंदी रैयत श्रीमति नमिता सिंह पति- स्व0 अनुकूल चन्द्र सिंह के नाम से कायम है।	
	हल्का राजस्व उपनिरिक्षक(राजस्व कर्मचारी) के द्वारा जाचोपरात उपर्युक्त विवरणी की भूमि के विरुद्ध कायम जमाबंदी को संदिग्ध प्रतिवेदित किया गया है। जाँच प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उपर्युक्त जमाबंदी बिना सक्षम प्राधिकार के आदेश के/अवैध बंदोबस्ती के आधार प/अवैध कोडकर बंदोबस्ती के आधार पर/ अवैध लगान निर्धारण के आधार पर/जाली हुकुमनामा के आधार पर कायम की गयी है जिसका उद्देश्य निजी लाभ एव सरकार को क्षति कारित करना है।	
	प्रथम दृष्टया उपर्युक्त से स्पष्ट होता है कि उपर्युक्त विवरणी की जमीन की सृजित जमाबंदी अवैध प्रतीत होती है, जिसका बिहार (झारखंड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(h) के तहत जाँच किया जाना वांछनीय प्रतीत होता है।	
	अतः– उपरोक्त जाँच प्रतिवेदन पर अचल–निरिक्षक का मतव्य प्राप्त करे।	
	अभिलेख दिनांक 9/4/19 को रखे।	
	अंचल अधिकारी धनबाद।	

Scanned with CamScanner

9/4/19 अभिलेख उपस्थापित। अचल निरिक्षक से मतव्य / प्रतिवेदन अप्राप्त है।
अभिलेख दिनाक 23/4/19 को रखे।

अचल अधिकारी
धनबाद।

23/4/19 अभिलेख उपास्थिपित। अधोहस्ताक्षरी निर्वाचन कार्य मे व्यस्त रहने के कारण अभिलेख की सुनवाई नही हो सका।
अभिलेख दिनाक ~~[illegible]~~ 7/5/19 को रखे।

अचल अधिकारी
धनबाद।

15/6/20 अभिलेख उपस्थापित। अचल निरीक्षक का प्रतिवेदन मतव्य सहित प्राप्त। प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक मे विपक्षी को नोटिस निर्गत करे। अभिलेख दिनाक 29/6/20 को रखे।

अचल अधिकारी
धनबाद।

29/6/20 अभिलेख उपस्थपित। अभिलेख के अवलोकनोपरान्त पाया कि मौजा कोलाकुसमा मौजा न० 12 खाता 142 प्लाट न० 3376, रकवा 5 कट्ठा भूमि से सवधित है। आवेदित भूमि गत सर्वे खतियान के अनुसार गैरआवाद खाते की भूमि है। जमाबदी रैयत के खोज बीन के उपरान्त पता नही चल सका, जिसके कारण बिना नोटिस का तामिला प्रतिवेदन प्राप्त है (सुलभ प्रसग हेतु नोटिस की प्रति सलग्न)। आवेदित भूमि दाखिल खारिज केस न0 ......(....) ...... के अनुसार कायम है। तत्कालीन अंचल अधिकारी , धनबाद द्वारा उक्त पजी को सदेहास्पद माना गया है। जिसे सवधित उप निरीक्षक एव अचल निरीक्षक ने उक्त जमाबदी को रद्द हेतु प्रस्ताव प्रतिवेदन अनुशसा सहित समर्पित किया

अत जॉच प्रतिवेदन के आलोक मे जमाबदी रद्द हेतु अभिलेख भूमि सुधार उपसमाहर्ता धनबाद को भेजे।

लेखापित एव सशोधत।

अचल अधिकारी,
धनबाद।

अचल अधिकारी
धनबाद।

Scanned with CamScanner

<u>अंचल अधिकारी का कार्यालय</u>

वाद अभिलेख संख्या– 58 /2019 (अन्तर्गत धारा–4(b), BLR Act, 1950)

सूचना

बनाम श्रीमति नमिता सिंह
पति- स्व० अनुकुल चन्द्र सिंह

एतद द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि मौजा– कोलाकुसमा थाना नं०– 12 खाता नं०– 142 खेसरा नं०– 3376 रकबा– 5 कट्ठा से संबंधित आपके नाम से ह० नं०– 2 के पंजी–II भाग 18 के पृष्ठ 3408 पर दर्ज जमाबंदी प्रथम दृष्टया राजस्व कर्मचारी ने अंचल निरीक्षक के माध्यम से जाँचोपरान्त संदिग्ध प्रतिवेदित किया है।

अतएव आप उक्त संबंध में दिनांक–............को समय–11:00 बजे पूर्वाह्न में उक्त भूमि का रिटर्न–I, भूमि बंदोबस्ती से संबंधित हुकुमनामा, भूतपूर्व जमींदार द्वारा निर्गत जमींदारी रसीदों, फार्म M एवं सरकार में जमींदारी निहित होने के बाद सरकार द्वारा निर्गत राजस्व रसीदों निर्गत परवाना एवं अन्य ठोस साक्ष्यों की मूल प्रति/सत्यापित प्रति जो आपके उक्त भूमि पर दावे की पुष्टि करता हो, के साथ अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय प्रकोष्ठ में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें।

सनद रहे कि अन्यथा कि स्थिति में समझा जायेगा कि उक्त संबंध में आपको कुछ नहीं कहना है तथा उपलब्ध दस्तावेज/साक्ष्यों के आधार पर समुचित निर्णय पर पहूँचते हुए दर्ज जमाबंदी के संबंध में युक्ति–युक्त निर्णय लेते हुए विधिसम्मत अनुशंसा कर दी जायेगी।

इसे सख्त ताकीद जानें।

तिथि:– मुहर अंचल अधिकारी

स्थान:–

Scanned with CamScanner

संदिग्ध / संदेहास्पद जमाबंदी संबंधी जाँच प्रतिवेदन

4165

1. सांदिग्ध/संदेहास्पद जमाबंदी रैयत का नाम :- श्रीमति नमिता सिंह प० स्व ~~[illegible]~~ अनुकुल चन्द्र सिंह
सा०- दामोदपुर

2. जमाबंदी से संबंधित भूमि का विवरण :-

मौजा	थाना सं0	खाता सं0	प्लॉट सं0	रकवा
कोलाकुसमा	12	142	3376	5 कट्ठा

3. जमाबंदी पंजी – II के जिल्द संख्या ...18...... पृष्ठ सं0 ...3408... पर कायम है–

4. जमाबंदी किस वर्ष से कायम है – 2007/08

5. खतियान के अनुसार उपरोक्त भूमि के खातेदार का नाम :- गैर आवाद

6. किस सक्षम प्रधिकार / पदाधिकारी के आदेश से जमाबंदी कायम की गई है :- लगान धार्य / बन्दो वस्ती/ दा0 खा0 मु0सं0..1118..
(11) 2007/08 के अनुसार जमाबन्दी सं0 144 से [illegible] हुआ

7. यदि संदेहास्पद जामबंदी नामान्तरण द्वारा स्थापित है तो मुल जमाबंदी रैयत का नाम :- प्रकाश कुमार

8. मूल जमाबंदी कायम किए जाने का आधर (अनिबंधित सादा हुकुमनामा / लगान निर्धारण / अवैध भूबंदोबस्ती –

9. संदेहास्पद जमाबंदी की जाँच किस राजस्व अभिलेख से की गई (भूतपूर्व जमींदार द्वारा
दाखिल रिटर्न / बन्दोवस्ती पंजी/ लगान निर्धारण पंजी / भू – हस्तांतरण पंजी

10. संदेहास्पद जमावंदी में अंकित लगान रसीद संख्या एवं वर्ष –

क्र0 संख्या	लगान रसीद संख्या	रसीद निर्गत तिथि	वसूली वर्ष
01	078577	15/9/07	2007/08
02	2897557	25/11/10	2010-11

Scanned with CamScanner